सबसे पहले यह समझना महत्वपूर्ण है कि “मैदान” शब्द का क्या अर्थ है।

मैदान एक चौड़ा, समतल और खुला क्षेत्र होता है। इसलिए “दूरा का मैदान” बस दूरा के खुले क्षेत्र को दर्शाता है।

यह स्थान बाबुल में स्थित था और यह वही जगह थी जिसे राजा नबूचद्दनेज़र ने अपने विशाल स्वर्ण प्रतिमा को स्थापित करने के लिए चुना – वह प्रतिमा जिसके सामने दुनिया के सभी लोगों को झुकने और उसकी पूजा करने का आदेश दिया गया था। दूरा का मैदान इस उद्देश्य के लिए आदर्श था क्योंकि यह बहुत विशाल था और वहाँ इकट्ठा हुए बड़े जनसमूह के लिए प्रतिमा स्पष्ट रूप से दिखाई देती थी।

दानिय्येल 3:1–2:

“राजा नबूचद्दनेज़र ने एक सोने की प्रतिमा बनाई, जिसकी
ऊँचाई साठ हाथ और चौड़ाई छह हाथ थी, और उसने इसे बाबुल प्रांत के दूरा के मैदान में स्थापित किया।

2 और उसने सभी प्रदेशाध्यक्षों, गवर्नरों, सलाहकारों, कोषाध्यक्षों, न्यायाधीशों, अधिकारियों और अन्य सभी

प्रांतीय अधिकारियों को बुलाया कि वे उस प्रतिमा के अनावरण समारोह में उपस्थित हों, जिसे उसने स्थापित किया था।”

लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह प्रतिमा आज के अंतिम दिनों में क्या प्रतीक करती है?

क्या आप जानते हैं कि जानवर का चिन्ह (Mark of the Beast) इसी तरह प्रकट होगा?

इसे और गहराई से समझने के लिए, नीचे सूचीबद्ध पाठ विषयों को खोलें और अध्ययन करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp